20.6.2019 दैनिक भास्कर

बीवोक इन लैंडस्कैपिंग कोर्स पूरा होने से पहले ही मिल जाएगी नौकरी : डीएवीवी

तीन वर्षीय इस कोर्स के पूरा होने पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से जुड़ सकेंगे छात्र

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी द्वारा चलाए जा रहे तीन वर्षीय बीवोक कोर्स में अब सौ फीसदी जॉब मिल सकेगा। प्रबंधन का दावा है कि पं. दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केंद्र द्वारा चलाए जा रहे इन कोर्स के पूरा होने से पहले ही छात्र को नौकरी मिल जाएगी। इंदौर सहित प्रदेश के कई शहरों में चल रहे स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए ही बीवोक इन लैंडस्कैप के 300 से ज्यादा छात्रों की जरूरत है। केंद्र की हेड डॉ. माया इंगले का कहना है कि न्यूट्रिशियन एंड डाइटिशियन लैंडस्कैप डिजाइन और इंटीरियर डिजाइन कोर्स में छात्रों के पास आउट होने से पहले 100 फीसदी को जॉब मिल चुका है। डीएवीवी की विशेषज्ञ आर्किटेक्ट अंशु चव्हाण का कहना है कि बीवोक कोर्सेस की मांग आर्किटेक्ट में सबसे ज्यादा है, लेकिन इसके लिए ट्रेंड युवा नहीं मिल रहे हैं। शिक्षाविद् किरण पी. शिंदे का कहना है कि देशभर में बन रही 100 स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट में लैंडस्कैपिंग का बहुत बड़ा हिस्सा है, लेकिन उसके लिए छात्र नहीं हैं। पूरे प्रदेश में सिर्फ डीएवीवी के इस केंद्र और इक्का-दुक्का कॉलेजों में यह कोर्स है, इसलिए डीएवीवी सौ फीसदी जॉब पढ़ाई पूरी होने से पहले ही देगी।

क्या है लैंडस्कैपिंग

घर के बाहरी हिस्से, होटल और मॉल के बाहर या चौराहों पर गार्डनिंग, डिजाइन वाले फाउंटेन सहित छोटे गार्डन बनाने जैसे प्रोजेक्ट को लैंडस्कैपिंग कहते हैं। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में इस तरह के डिजाइन इंदौर में एक हजार से ज्यादा स्थानों पर तैयार होना हैं। कुलपति प्रो. नरेंद्र धाकड़ का कहना है बीवोक इन लैंडस्कैपिंग को ब्रांड कोर्स के तौर पर बढ़ाएंगे।